Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi
Spring Semester, 2007

शोले

Part 12

गब्बर सिंह घोड़े पर सवार होकर आ जाता है। चारों ओर डाकू घेरकर खड़े हैं। वीरू की भी बंदूक़ ख़ाली हो गयी है। सिर मोड़कर वह देखता है कि ठाकुर पास में एक बरामदे पर खड़ा है और उस के पैरों के पास एक बंदूक़ ज़मीन पर पड़ी है। वीरू इशारे से उठाकर फेंकने को कहता है पर ठाकुर जैसे का तैसा खड़ा रहता है और बंदूक़ बिना उठाये मुँह दूसरी ओर फेर देता है।

गब्बर - अच्छा। तो यह है ठाकुर का फ़ौजी। ही ही हा। सांभा, कालिया तो कहता था कि दो हैं। यह दूसरा कहाँ है? (चिल्लाकर) कहाँ है रे दूसरा? (जय से कहता है) ऐ फ़ौजी! तेरा जोड़ीदार कहाँ है? बता। (चिल्लाकर) अरे ओ फ़ौजी नम्बर दो! तू आता है बाहर या मैं मार दूँ गोली तेरे जोड़ीदार को।

वीरू - ठहरो! (वीरू गोलियों से ख़ाली बंदूक़ को ज़मीन पर पटककर सामने आ जाता है।)

गब्बर - आओ। (हंसते हुए) आओ। अब आए हो हाथ में। हाहा आओ। आओ। साबास (शाबाश)। (ठाकुर से कहते हुए) क्यों ठाकुर! इन्हें लाये थे रामगढ़ की रक्सा (रक्षा) करने? गब्बर से टक्कर लेने क्यों? (चिल्लाकर) रामगढ़ के वासियो! झाँक कर देखो अपने अपने घरों से। यही ??? आए थे तुम्हें गब्बर सिंह से बचाने के लिये। निकल गयी सब हेकड़ी इन की, सब हेकड़ी निकल गयी (थूकता है।) गब्बर के ताप से तुम्हें एक ही आदमी बचा सकता है। एक ही आदमी। ख़ुद गब्बर। और अगर इस के बदले में मेरे आदमी तुमसे थोड़ा सा अनाज, थोड़ा सा सामान लेते हैं तो क्या कोई जुर्म करते हैं? कोई जुर्म नहीं करते। मैं कहता हूँ कोई जुर्म नहीं करते। बस! अब इस के बाद अगर किसी ने अपना सर उठाया, मैं उस का सर (जय और वीरू की ओर

देखकर कुछ सोचता है) आह, सर ...। (गाँववालों से कहते हुए) तुम इन दोनों को बहुत सूरमा समझते हो न। ये किराये के टट्टू इसी चौपाल में मेरे पैरों पर सर रखकर दया की भीख माँगेंगे। इन पैरों पर सर रखकर। (जय और वीरू को हिलते न देखकर गब्बर उन से कहता है) तुमने सुना मैंने क्या कहा? सुना? वे सर, ये पैर। है है... चलो। (चिल्लाकर) चलो।

थोड़ी देर रुककर जय आगे गब्बर की ओर चलने लगता है। वीरू सोचता है कि वह सिर रखने चल रहा है।

वीरू - जय!

जय अपना सिर झुकाता है और ज़मीन पर से कुछ गुलाल हाथ में ले कर गब्बर सिंह की आँखों में फेंक देता है। गब्बर को कुछ दिखाई नहीं देता। इतने में बसंती अपने ताँगे में बैठे घोड़ी को दौड़ाकर जय और वीरू के पास पहुँचती है। वे दोनों चलते ताँगे के पीछे के हिस्से में चढ़ते हैं और बंदूकें उठाकर फ़ायर करने लगते हैं।

बसंती - चल धन्नो!

वीरू और जय दोनों गोलियाँ चलाते जाते हैं। फिर अचानक जय को जमीन पर पड़ी एक स्टेन-गन नज़र आती है। वह दौड़कर उसे उठाता है और फ़ायर करने लगता है। उससे बहुत डाकू मारे जाते हैं और फिर बाक़ी भागने लगते हैं।

गब्बर - सांभा! (गब्बर जो जमीन पर गिरा है सांभा को पुकारता है और सांभा घोड़े पर सवार हुए उस के पास आता है। गब्बर को उठाकर वह घोड़े की पीठ पर बिठाता है और दोनों भाग जाते हैं।)

जब सब डाकू गब्बर के साथ भाग जाते हैं तब जय और वीरू ठाकुर के पास आ जाते हैं।

वीरू - ठाकुर साहब। अब हम आप की लड़ाई नहीं लड़ सकते। आप के लिये जो इज़्ज़त हमारे दिल में थी वह ख़त्म हो चुकी है। हम यहाँ आये थे उस बहादुर इंस्पेक्टर के लिये जिसे मालगाड़ी में डाकुओं की टोली के साथ अकेले लड़ते हुए देखा था। किसी बुज़दिल ठाकुर के लिये नहीं जो हमारी जान बचाने के लिये अपने सामने पड़ी बंदूक़ नहीं उठा सका।

ठाकुर बलदेव सिंह - तुम लोग जाना चाहते हो, ठीक है। चले जाओ। लेकिन जाने से पहले, यह बंदूक़ मैंने क्यों नहीं उठायी, इस की वजह नहीं जानना चाहोगे?

वीरू - क्या वजह हो सकती है? (ग़ुस्से में) तुम बुज़दिल हो, डरपोक हो।

ठाकुर बलदेव सिंह - नहीं। बहुत लंबी कहानी है यह।

शब्दावली

इतने में = meanwhile (adv)
घोड़ा = horse (m)
सवार होना = to ride (vi)
सिर = head (m)
मोड़ना = to turn (vt)
पास में = close by (adv)
बरामदा = to verandah (m)
इशारा = indication, sign (m)
उठाना = to pick up, get up (vt)
फ़ेंकना = to throw (vt)
जैसे का तैसा = as is (adj)
फ़ौजी = soldier (m)
चिल्लाना = to scream (vi)
जोड़ीदार = partner (m)
गोली मारना = to shoot (vt)
ठहरना = to wait, stop (vt)
बायें हाथ में = in the left hand (adv)
शाबाश = well done!
x की रक्षा करना = to protect x (vt)
टक्कर लेना = to fight against (vt)
वासी = resident (m)
झाँकना = to peep (vt)
बचाना = to save (vt)
हेकड़ी = arrogance (f)
निकलना = to emerge (go) (vi)
थूकना = to spit (vt)
ताप = heat, severity, agony, fierceness (m)
ख़ुद = oneself (adv)
x के बदले में = in return for x
अनाज = grain (m)
जुर्म = crime (m)
सर (सिर) = head (m)
सूरमा = brave (adj)
किराया = rent (m)

टट्टू = pony (m)
चौपाल = town square (m)
दया = mercy (f)
भीख = alms (f)
माँगना = to demand (beg) (vt)
हिलना = to move (vi)
झुकाना = to bent (something) (vt)
उड़ना = to fly (vi)
चढ़ना = to climb (vi)
फ़ायर करना = to fire (vt)
स्टेन-गन = sten gun (an automatic gun, like a machine gun) (f)
नज़र आना = to be visible (vi)
दौड़ना = to run (vi)
मारना = to kill (vt)
बाक़ी = remainder, rest (adj)
लेटना = to lie (vi)
पीठ = back (f)
बिठाना = to seat (someone) (vt)
लड़ाई = war, fight (f)
लड़ना = to fight (vt, vi)
इज़्ज़त = respect (f)
ख़त्म होना = to end (vi)
बहादुर = brave, courageous (adj)
टोली = band, gang (f)
अकेला = alone (adj)
बुज़दिल = coward (adj)
जान बचाना = to save the life (vt)
x की वजह = because of x (pp)
डरपोक = coward (adj)